बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग १—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

शुक्रवार, तिथि २२ जुलाई, १९७७ ।

विषय सूची ।

	पृष्ठ
प्रश्नों के मौलिक उत्तर :	
अल्प-सूचित प्रश्नोतर संख्या :—६९, ११०, एवं १११ ।	१—८
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या :—१४२, ४९०, ४९१, ४९३, ४९८, ४९९, ५००, ५०१, ५०२, ५०३, ५०५, ५०८, ५१३ से ५१९ तक, ५२४ से ५२८ तक, ५३०, ५३२, से ५३६ तक, ५३८, ५४०, ५४२ और ५५१ तक ।	९—४०
परिशिष्ट (प्रश्नों के लिखित उत्तर) :—५५५, ५६१, ५६२, ५६५, ५६६, और ५७० से ५७३ तक ।	४०—४९
दैनिक निबंध	५१—५२

टिप्पणी—जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है उनके नाम के आगे (*) चिन्ह लगा दिया गया है ।

(२) क्या यह बात सही है कि सड़क पर बिना मिट्टी दिए ही ईंट बिछाया जा रहा है। तथा एकरारनामा के मुताबिक ईंट की आपूर्ति भी नहीं की जा रही है।

(३) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार इस संबंध में कौन सी कार्रवाई कबतक करने का विचार रखती है ?

श्री जागेश्वर मंडल—(१) पूर्णियां जिला में १६,०० कि० मी० लम्बी रानीगंज भरगामा पथ का सुधार किया जा रहा है।

(२) उत्तर नकारात्मक है। उपर्युक्त पथ पर आवश्यकतानुसार मिट्टी के कार्य के पश्चात ईंट बिछाई का कार्य किया जा रहा है। ईंट की आपूर्ति एकरारनामा में वर्णित विशिष्टता के अनुसार ही की जा रही है।

(३) खंड-२ के उत्तर के संदर्भ में प्रश्न नहीं उठता है।

पुल का निर्माण

५१७ **श्री गौरी शंकर पाण्डेय**—क्या संजी आ० अ० स० विभाग यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(१) क्या यह बात सही है कि पश्चिमी चम्पारण के बेतिया प्रखंड के रानी पकड़ी गवियानी में कोहड़ा नदी पर पुल नहीं रहने से आवागमन में कठिनाई होती है, यदि हो, तो क्या सरकार वहां पुल बनाने का विचार रखती है यदि नहीं तो क्यों ?

श्री जागेश्वर मंडल—(१) यह बात सही है कि कोहड़ा नदी पर पुल नहीं रहने से लोगों को आवागमन में कठिनाई होती है। परन्तु दिनांक १-४-७७ से राज्य के सभी प्रखंड ३ में परिवर्त्तित हो गये हैं और प्रथम ३ में परिवर्त्तित हो जाने पर प्रखंडों में नई योजना के लिए कोई भी राशि का उपबन्ध नहीं रहता है। अतः राशि के अभाव में अभी प्रश्नगत पुल को बनाना संभव नहीं है।

सड़क की मरम्मत

५१८ **श्री जगनारायण त्रिवेदी**—क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :